बर्षः- 06
अंकः- 72
मुरादाबाद
(Thursday)
02 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दिल्ली को मिलेगी छह लेन की टनल, यूपी में बनेगा चार लेन का हाईवे, 14,115 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल और यूपी में कानपुर से कबरई तक चार लेन की हाईवे परियोजोना को मंजूरी दी है। जानिए 14,115 करोड़ के इस मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर पुश की पूरी डिटेल, रूट और फायदे। केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल के निर्माण को मंजूरी दी है। यह आठ किलोमीटर लंबी होगी और इस पर करीब 6,970 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने यूपी के कानपुर से कबराई के बीच एक चार लेन के राजमार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री

अश्विनी वैष्णव ने आज बुनियादी ढांचे को रज़्तार देने वाले बड़े कैबिनेट फैसलों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को दिल्ली और उज़्र प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कुल 14,115 करोड़ रुपये की दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन फैसलों में दिल्ली के अंदर एक नई 6लेन की द्वारका टनल और उज़्र प्रदेश में कानपुर से कबरई तक 4लेन हाईवे का निर्माण शामिल है। यह कदम न सिर्फ ट्रैफिक जाम से निजात दिलाएगा, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे में एक बड़ा रणनीतिक निवेश भी है।दिल्ली में वेस्ट से साउथ का सफर कैसे होगा आसान? देश की राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने NH-148E पर 6लेन टनल के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। यह अहम प्रोजेज़्ट द्वारका एज़्सप्रेसवे (NH248 BB) पर मौजूद शिवमूर्ति इंटरचेंज को वसंत कुंज स्थित नेल्सन मंडेला मार्ग से सीधा जोड़ेगा। इस नई कनेज़्टिविटी के स्थापित होने से पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के बीच आवाजाही काफी तेज हो जाएगी, जिससे रोजमर्रा के यात्रियों के समय की भारी बचत होगी। इस पूरी द्वारका टनल परियोजना की कुल लंबाई 8.1 किलोमीटर होगी। इंजीनियरिंग और पर्यावरण के लिहाज से इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि कुल लंबाई में से 3.1 किलोमीटर का हिस्सा सदर्न रिज फॉरेस्ट के नीचे से होकर गुजरेगा। यह एक ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट है जिसे हाइब्रिड एन्यूटी मोड (एचएएम) के तहत विकसित किया जाएगा। सरकार ने इस प्रोजेज़्ट के लिए 6,970 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है और इसके निर्माण की समय सीमा 5 वर्ष तय की गई है।उज़्र प्रदेश के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर ज़्या बड़ा फैसला हुआ है? दिल्ली के साथसाथ यूपी के लिए भी इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने कानपुर से कबरई Kabrai) तक एक नया 4लेन एज़्सेसकंट्रोल्ड हाईवे बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। उज़्र प्रदेश की कनेज़्टिविटी को मजबूत करने वाली इस बड़ी हाईवे परियोजना पर कुल 7,145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।कुल 14,115 करोड़ रुपये (दिल्ली के लिए 6,970 करोड़ रुपये और यूपी के लिए 7,145 करोड़ रुपये) के आउटले वाली ये दोनों परियोजनाएं सरकार के इंफ्रास्ट्रक्चर पुश का स्पष्ट संकेत हैं। हाइब्रिड एन्यूटी मोड का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करेगा कि प्रोजेज़्ट का विज़ीय जोखिम संतुलित रहे और निर्माण कार्य तय समय में पूरा हो। आने वाले 5 वर्षों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्रीय लॉजिस्टिज़्स में सुधार होगा, जो अंततः आर्थिक गतिविधियों को तेज गति प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चोरी मामला: पुलिस ने दो आरोपियों के घर की छापेमारी, रकम और संपज़ि के दस्तावेज जुटाने की कोशिश

पुलिस टीम ने अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय के घरों पर छापेमारी की है। दोनों आरोपी अभी जेल में बंद हैं।राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस व एसआईटी लगातार जांच कर रही है। पुलिस टीम ने मामले में जेल में बंद आरोपी लवकुश मिश्रा के रुदौली के घर और करुणेश पांडेय के खंडासा वाले घर पर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई रकम बरामद करने और संपज़ि के दस्तावेज एकत्र करने के लिए की गई है। इसके पहले, पुलिस ने कोर्ट की अनुमति के बाद मंगलवार को जेल में बंद राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपियों से करीब दो घंटे पूछताछ की। सबसे लंबी पूछताछ आरोपी अविनाश मिश्रा से की गई। आरोपियों ने करोड़ों की चोरी स्वीकारते हुए पूरे घटनाक्रम के बारे में भी बताया। इस दौरान ट्रस्टी अनिल मिश्रा का नाम फिर सामने आया। गणना संबंधी प्रक्रिया में अनिल मिश्रा की प्रमुख भूमिका रहती थी।प्रकरण में पुलिस ने बीते बृहस्पतिवार को केस दर्ज किया था। शुक्रवार को चंपत राय के करीबी टिन्नू यादव, गणना इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव व गणनाकर्मी अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा, करुणेश व अवनीश शुज़्ला को गिरज़्तार कर जेल भेजा था। कोर्ट से अनुमति लेने के बाद पुलिस ने मंगलवार को जेल जाकर आरोपियों से पूछताछ की।

सहारनपुर में सीएम योगी बोले-ऐसी पीढ़ी तैयार करनी है जो देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए

मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सवा घंटे की देरी से सहारनपुर पहुंच गए हैं। सरसावा एयरपोर्ट पर विमान उतरने के बाद वह कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। यहां उन्होंने राज्यव्यापी %स्कूल चलो अभियान2026% के दूसरे चरण का करने के बाद संबोधन किया। इसके बाद विकास परियोजनाओं का लोकार्पणशिलान्यास किया गया।मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान2026% के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। सीएम योगी निर्धारित समय से करीब सवा घंटे की देरी से सहारनपुर पहुंचे। उनका विमान सरसावा एयरपोर्ट पर उतरा, जहां से वह सीधे कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने शिक्षा को व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा ही अच्छे नागरिक, शिक्षक, अधिकारी, चिकित्सक, इंजीनियर और जनप्रतिनिधि तैयार करती है। कार्यक्रम में मंच से जनता को संबोधित करते हुए मुज़्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़े, वह आत्मविश्वास के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके, इसी उद्देश्य से वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उज़्र प्रदेश में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की गई थी। बड़ी संज़्या में कार्यक्रम में पहुंचे लोग सुबह से हो रही बारिश के बावजूद जनता रोड स्थित महाराज सिंह डिग्री कॉलेज मैदान में बड़ी संज़्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग जुटे रहे। मुज़्यमंत्री का आगमन पहले सुबह 11=15 बजे प्रस्तावित

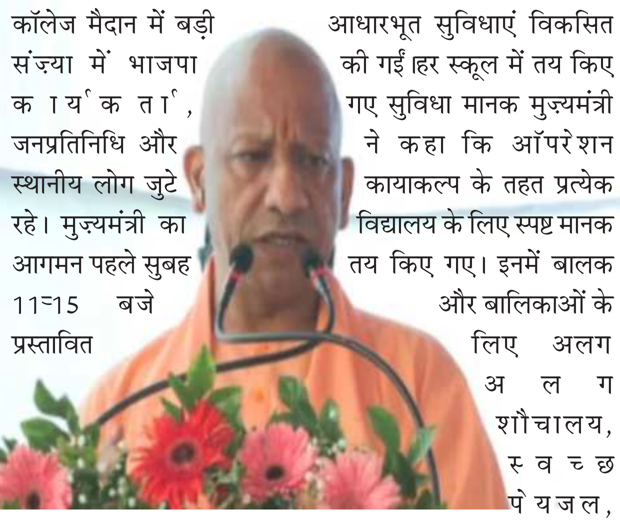

था, लेकिन उनका कार्यक्रम सवा घंटा देरी से शुरू हुआ। प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए।मुज़्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम इसलिए सामने आए ज़्योंकि सरकार की नीयत साफ थी और शिक्षा के उन्नयन के लिए स्पष्ट नीति बनाई गई। बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचाने के संकल्प के साथ सरकार लगातार काम कर रही है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद के केवल 36 प्रतिशत विद्यालय ही आवश्यक सुविधाओं से पूरी तरह संतृप्त थे। अधिकांश स्कूलों में शौचालय, स्वच्छ पेयजल, फर्नीचर, पुस्तकालय, मिडडे मील के लिए रसोईघर और चारदीवारी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था।

उन्होंने बताया कि सरकार ने स्थिति बदलने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प शुरू किया। इसके तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में व्यापक स्तर पर आधारभूत सुविधाएं विकसित की गईं।हर स्कूल में तय किए गए सुविधा मानक मुज़्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत प्रत्येक विद्यालय के लिए स्पष्ट मानक तय किए गए। इनमें बालक और बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय, स्वच्छ पेयजल, फर्नीचर, पुस्तकालय, मिडडे मील की समुचित व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलज़्ध कराना है, ताकि वह गुणवज़ापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को मजबूत बना सके।शिक्षा से वंचित बच्चा परिवार ही नहीं, राष्ट्र की भी क्षति सीएम योगी ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। यदि कोई बच्चा स्कूल नहीं जाता है तो यह केवल उसके परिवार की नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी क्षति है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य में डॉज़्टर, इंजीनियर, उद्यमी, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी बनेंगे। इसलिए ऐसी पीढ़ी तैयार करनी होगी जो राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाए। उन्होंने इसे पूरे समाज का राष्ट्रीय दायित्व बताया।

स्कूल चलो अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील मुज़्यमंत्री ने सहारनपुर के जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, शिक्षकों, सांसदों, विधायकों और समाज के सभी वर्गों से स्कूल चलो अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को स्कूल तक पहुंचाना सभी की जिज़्मेदारी है। साथ ही प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को निर्देश दिए कि प्रवेश लेने वाले प्रत्येक बच्चे को समय पर यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते और अन्य सुविधाएं उपलज़्ध कराई जाएं तथा विद्यालयों में गुणवज़ापूर्ण शिक्षा का माहौल सुनिश्चित किया जाए। हर स्कूल में स्मार्ट ज़्लास और डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही मुज़्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएं उपलज़्ध करा रही है। हर विद्यालय में स्मार्ट ज़्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी और शिक्षकों को टैबलेट उपलज़्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद के माध्यम से एक लाख से अधिक दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण भी वितरित किए गए हैं ताकि वे मुज़्यधारा की शिक्षा से जुड़ सकें।मुज़्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने वर्ष 202526 में लगभग 23 हजार दिव्यांग बालिकाओं को स्टाइपेंड उपलज़्ध कराया है। उन्होंने बताया कि लर्निंग बाय डूइंग के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर ही बच्चों को कौशल आधारित शिक्षा दी जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति बच्चों की स्किलिंग और व्यावहारिक शिक्षा पर विशेष जोर देती है, जिससे उनमें आत्मविश्वास और क्षमता का विकास हो रहा है।

ढाई साल में राम मंदिर क्यों नहीं गए गृह मंत्री अमित शाह? SIT पर भी बोले केजरीवाल

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है।अयोध्या में श्री राम मंदिर में चढ़ावे की बड़े पैमाने पर हुई चोरी को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने दावा किया कि राम मंदिर बनने के बाद पिछले ढाई साल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार भी राम मंदिर में भगवान श्री राम के चरणों में माथा टेकने नहीं गए। केजरीवाल ने दावा किया कि आज के समय में आम आदमी पार्टी ही देश की असली सनातनी पार्टी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, राम मंदिर बनने के बाद से गृह मंत्री अमित शाह जी एक बार भी राम मंदिर में भगवान श्री राम के चरणों में माथा टेकने नहीं गए। इन ढाई वर्षों में अमित शाह जी एक बार भी राम मंदिर नहीं गए। कुछ दिन पहले मुझे कुछ लोगों ने यह बात बताई। मुझे यकीन नहीं हुआ। मैंने कहा कि जो लोग भगवान राम के नाम का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, वे मंदिर बनने के बाद से भगवान

राम का आशीर्वाद लेने राम मंदिर नहीं गए? मैंने कहा, ऐसा कैसे हो सकता है? केजरीवाल ने दावा किया, %इन 891 दिनों में उन्होंने अपने भाषणों और इंटरव्यू में 42 से ज्यादा बार राम मंदिर का जिक्र किया है। इनमें अधिकांश मौकों पर भगवान श्रीराम और राम मंदिर के नाम पर वोट मांगे। देश के गृहमंत्री अमित शाह जी के पास भगवान श्रीराम के नाम पर वोट मांगने का समय है, लेकिन भगवान रामलला से आशीर्वाद लेने का समय नहीं? वहीं एसआईटी जांच को लेकर अरविंद केजरीवाल ने कहा, यह एक दिखावटी एसआईटी और फर्जी एफआईआर है। असली दोषियों को बचाया जा रहा है। उन्हें ज़्यों बचाया जा रहा है? अरविंद केजरीवाल ने यह भी घोषणा की कि एसआईटी की जांच को लेकर वह कल एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि हर राम भक्त को आज यह सोचना चाहिए कि अगर आप चंदा चोरों को दंड दिलवाना चाहते हैं तो सरकार बदलनी पड़ेगी। नई सरकार ही आकर दंड देगी। मौजूद केंद्र और यूपी की सरकार इन्हें कभी दंड नहीं देगी, ज़्योंकि ये सब मिले हुए हैं। केजरीवाल ने कहा, भगवान राम कोई पत्थर की मूर्ति नहीं हैं। भगवान राम सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान हैं। चंदा चोरी करने वालों को वह ऐसा दंड देंगे, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। मौजूदा केंद्र सरकार और उज़्र प्रदेश सरकार चोरों को बचाने में लगी हैं। अगर चोरों को सजा दिलानी है, तो सरकार बदलना बेहद जरूरी है। पूरे समाज को ऐसे लोगों और उनका साथ देने वालों का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए।भगवान श्रीराम के मंदिर में सामने आए चंदा और चढ़ावा चोरी के मामले ने पूरे देश के सनातन समाज को आहत किया है। सनातन के लिए सच्ची भावना से केवल आम आदमी पार्टी ही काम कर रही है।

प्रो. रामगोपाल यादव बोले- 20 हजार करोड़ का हुआ घपला, बड़े लोग हैं शामिल

सपा महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने राम मंदिर निर्माण में 20 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जनता भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है और 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में बदलाव होगा। राम मंदिर से 20 हजार करोड़ का घपला किया गया है। इसमें बड़े लोग शामिल हैं। यह बात बुधवार को सैफई में सपा मुखिया अखिलेश यादव का जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने कही। कहा कि मंदिर के सोनाचांदी, हीरे के हार का पता ही नहीं है। बताया कि जनता

भ्रष्टाचार के शासन से ऊब चुकी है और अखिलेश ही मुक्ति दिला सकते हैं। बोले अखिलेश यादव अकेले हैं जो इस दमन अत्याचारी शासन से मुक्ति दिला सकते हैं।अमलतास के 53 पौधों को भी रौंपाजन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि अखिलेश शतायु हों और 2027 के चुनाव में इस भ्रष्टाचारी सरकार को हटाकर मुज़्यमंत्री बनें यही हमारा आशीर्वाद है। रामगोपाल यादव ने सैफई में अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन पर अमलतास के 53 पौधों को भी रौंपा।

सुलह समझौते के आधार पर होगा सुप्रीम कोर्ट के लंबित मामलों का निस्तारण, अगस्त में लगेगी विशेष लोक अदालत

सुप्रीम कोर्ट के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए 21, 22 और 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत लगेगी। इसका उद्देश्य सुलह और समझौते के आधार पर लंबित वादों का त्वरित, सरल और कम खर्च में निस्तारण कराना है। सर्वोच्च न्यायालय में लंबित ऐसे मामलों, जिनमें समझौते की संभावना है उनके निस्तारण के लिए 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत लगेगी। यह आयोजन मुज़्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशन में चल रहे समाधान समारोह

अभियान के तहत होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव एवं सिविल जज (सीडी) राजीव मुकुल पांडेय ने बताया कि जनपद न्यायाधीश संजीव शुज़्ला के निर्देशन में लोक अदालत का उद्देश्य सुलह और समझौते के आधार पर लंबित वादों का त्वरित, सरल और कम खर्च में निस्तारण कराना है। इससे पक्षकारों के बीच आपसी संबंध भी बने रहेंगे और वर्षों तक न्यायालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि जिन मामलों में समझौते की संभावना है, उन्हें सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए प्री सिटिंग की तिथियां तीन, सात और 13 जुलाई निर्धारित की गई हैं।

संपादकीय Editorial

Then the education board will also excel.

In pursuit of quality in Himachali education, the government has established CBSE entrances in 150 schools. The changing curriculum in CBSE schools is actually complementing the new environment. Although the public, students, and teachers appear to be in favor of this experiment, a pilot program with a smaller number of students would have revealed a much improved and stronger perspective. However, by presenting an alternative to CBSE in the lives of students, Himachal has taken initiatives to enhance intellectual skills, communication skills, and logical abilities, beyond exam evaluation, to enhance their personality development. The department is also increasing the number of teachers for additional coaching in certain subjects, such as English and mathematics, in CBSE schools. To enhance the message of education, several pages of relevant studies are being added to the new system of CBSE schools. This means that education is no longer being imparted haphazardly, but rather being prepared to write a life story thoughtfully. Clearly, amid these changes, the Himachal School Education Board will also have to change its journey. We have already stated that the School Education Board should establish model schools in some government schools. The Himachal School Education Board could also provide a new dimension to education by identifying some model schools through its intervention, more or less in line with the environment expected to be created by the CBSE curriculum. Furthermore, after the eighth grade examination, students could be promoted through special coaching from ninth to twelfth grade based on merit through a talent test. For this, arrangements would need to be made for academy-level education for two to three thousand students from ninth to tenth grade, based on merit, at the Board headquarters campus in Dharamshala. The Board of Education must set some examples to move from examinations to a central role in education. The Board of Education could provide its meritorious students with access to some renowned private academies. Subject-focused academies operating across the state would open doors not only to engineering and medical studies, but also enable students to embark on new educational journeys in defense, commerce, law, music, and entrepreneurship. Furthermore, the School Education Board should also take initiatives to facilitate career counseling after the 12th grade exams, as well as advance admissions into various fields. Numerous entrance exams are held throughout the year, requiring specialized skills, infrastructure, and an environment for preparation. At the state level, various universities and the School Education Board should establish state-level examination centers. These examination centers will allow the boards and universities to operate their academies. A job market is emerging based on the demand in Himachal's industrial cities, so school education must be integrated with industrial employment, self-employment, and new emerging markets. The School Education Board will remain merely an examination board as long as merit is considered in medical and engineering studies. The day employment opportunities are ensured through schooling, the Education Board will become the leader.

Walking on the sidewalk is a fundamental right: Hopes for a reduction in road accidents

The Supreme Court has gone a step further and ordered that along with vehicular movement, safe walking on the sidewalk should be prioritized. This is a fundamental right, and regulatory bodies should be established to protect it. Everyone from the local administration to the Ministry of Transport should be made parties. Amidst the rising number of deaths in road accidents year after year, the Supreme Court's latest ruling, declaring walking on the sidewalk a fundamental right, has raised great hope for pedestrians. While the general perception is that vehicles have the primary right to move on the road, the Supreme Court has recognized walking on the sidewalk as a more prioritized right. While the Motor Vehicles Act 1988 already exists in India to address road safety, the Supreme Court has now gone a step further and ordered that along with vehicular movement, safe walking on the sidewalk should be prioritized. This is a fundamental right, and regulatory bodies should be established to protect it. Everyone from the local administration to the Ministry of Transport should be made parties. By ordering the Law Commission to participate in this matter, the Supreme Court has paved the way for a hearing that can ensure safety for pedestrians on footpaths and ensure their rights, beyond the Motor Vehicles Act. Despite existing road safety laws, accidents in the country have increased, as have the death toll. Four times more people are injured (disabled and disabled) annually than the number of deaths. Encroachment on footpaths, which the Supreme Court has recognized as a fundamental right under Articles 21 and 19(1)D, is common. At the municipal, local, state, and central levels, most cases of encroachment, let alone on footpaths, are ignored. Traffic police often find opportunities in encroachments, sometimes adopting a lenient approach, sometimes a strict one. Enforcement of the law becomes a means of extortion. This is why road safety issues have been resonating from the streets to Parliament and the Supreme Court, but the ground realities remain unchanged. Road Safety Fortnight is celebrated, but these efforts remain merely ceremonial. According to National Crime Records Bureau (NCRB) data, 1.75 lakh people lost their lives in road accidents in 2024 alone. Of these, 25,769 were pedestrians. The number of two-wheeler victims is even higher. Despite road safety laws, deaths occur due to rash driving, excessive speeding, reckless driving, drunk driving, talking on mobile phones while driving, competition for speed and overtaking, health care indifference, road rage, and parking disputes. Uttar Pradesh, Tamil Nadu, Jharkhand, Madhya Pradesh, Bengal, Bihar, and Odisha are the most careless states regarding road accidents. If we study NCRB road accident death data year by year and calculate the average, approximately 546 people die in road accidents every day in the country. More than 56 accidents occur every hour. A quarter of all accident deaths involve pedestrians. Even in Delhi, the capital of the country, where red lights, pedestrian crossings, zebra crossings, and overpasses are more organized than in other cities, and the traffic system is feared, 147 people died in accidents while crossing roads on foot or on footpaths in 2024 alone. Road quality is also a cause of concern. Potholes on even the best and widest roads prove to be death traps. The disorganized arrangements for the convenience of local residents at highway crossings and toll booths connecting rural areas also contribute to accidents. China fares better in terms of road conditions, with a very low accident rate of just 4.3 percent, compared to 11.89 percent in India and 12.76 percent in the United States. When the issue of road accidents was raised in Parliament during the budget session, Union Transport Minister Nitin Gadkari, responding to a discussion, announced a major initiative. Although there are already provisions for punishment and fines for drivers who fail to help the injured in road accidents, many deaths occur due to lack of timely medical attention. Often, those who help the injured face police and legal hassles, so even on humanitarian grounds, no one bothered to help the injured during accidents. Now, the Central Government has launched the Raah Veer Scheme. According to the government's announcement and provision, anyone who helps or saves the lives of those injured in road accidents will not only be declared a Raah Veer and honored, but will also receive a reward of 25,000 rupees. Although there is no official data on how many people have been declared Raah Veer or rewarded since this announcement, it is certain that incidents and stories of humanitarian life-saving actions are beginning to emerge. Amidst the fundamental right to pedestrianism, the Bandra Bakery hit-and-run case (September 28, 2002) involving Salman Khan is noteworthy, in which Salman was acquitted because the person who died was sleeping on the footpath. Salman received relief based on the distinction between the right to sleep on the sidewalk and the right to walk on the sidewalk. However, when Sanjeev Nanda ran over six people on the sidewalk in Delhi on January 10, 1999, he initially received relief from the trial court, but Nanda was convicted during the appeal. Now, when the Supreme Court has cracked down on the fundamental right to walk, So, it's natural to feel hopeful. The Supreme Court has taken a commendable initiative to hold local and central authorities accountable for protecting pedestrians' fundamental rights, as well as to fix responsibility. Consequently, it's hoped this order will resonate in the future. We can hope that once regulators are established following the Supreme Court's strictness, pedestrians will have a safer path on the sidewalks in the future. Following the Supreme Court's strictness, encroachments on the sidewalks will be removed, and new avenues will open up.

Ram Temple Offering Action: Four Narratives Emerge from the 'Offering Theft Scandal'!

The preliminary investigation report does not even mention a police report against anyone. The fear of no concrete action in this case stems from the various narratives being created by the Vishwa Hindu Parishad (VHP), other affiliated organizations, and saints, who are also engaged in contradicting each other. The Special Investigation Team (SIT) formed to investigate the offering theft case at the Shri Ram Temple in Ayodhya has submitted its preliminary investigation report to a senior UP government official. It has not yet been made public, but reports suggest that a large offering theft racket was operating at the temple, protected in some way by trust officials. The report also calls for changes to the trust and the filing of an FIR against those responsible. It also calls for the replacement of temple trust officials. Some significant changes have been made to the temple's arrangements during the investigation, indicating that, albeit tacitly, the possibility of irregularities is being acknowledged. However, the report is likely to be released to the public only after a thorough investigation. Even after all this, there is no guarantee that any concrete action will be taken against anyone, especially against "high-profile" individuals. There is still doubt as to whether this SIT is a "Special Investigation Team" or a "Save Insiders Team." The preliminary investigation report also does not mention a police report against anyone. The fear of no concrete action in this case stems from the different narratives being created by the Vishwa Hindu Parishad and other affiliated organizations, as well as saints, who are engaged in contradicting each other. While no one seems to be paying attention to the sentiments and narratives of those Ram devotees who demand unquestionable sanctity and moral integrity in the management of religious places at all costs. Another issue is the "underestimation" of "offering theft" by calling it "donation theft." A large section of the media has now started calling donation theft as "fund theft." This is logically incorrect. Contributions can be made for kitty parties or Holi celebrations. However, offerings are offered only to God. They are a voluntary and devotional donation. Calling them "funding" is tantamount to devaluing faith. However, the emerging narratives, which are being systematically propagated in the media, are based on four main narratives. First, there is no discernible scam at the Shri Ram Temple. All those working there are exemplary figures. Unholy stories like "fund theft" are being spread by those who wish to defame the trustees of the Shri Ram Temple and the Ram Janmabhoomi Trust, and, in turn, Hindus. When significant irregularities in the temple's accounts surfaced, the Trust itself demanded the formation of an SIT. The entire investigation is being conducted under this framework. Anyone with any complaints should present their case to the SIT. It's not right to doubt someone's intentions before they're proven guilty. An FIR is out of the question. In any case, why should an FIR be filed against Ram devotees and temple employees? As for the Trust's General Secretary, Champat Rai, and the questions being raised about his work, Champat Rai is a "Mahatma." It's a sin to even doubt his character. Even in such a sacred environment, if a minor error occurs, it will be "corrected." It's a different matter that many people associated with the BJP and the RSS are also surprised by this naive narrative. Another narrative is being carefully propagated

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश में 29 IAS अधिकारियों की नई तैनाती, कई जिलों और अहम विभागों में बदली जिम्मेदारियां

मंडल, जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण, लोक सेवा आयोग और निर्वाचन समेत कई अहम विभागों में अधिकारियों की नई तैनाती, सचिवालय के आठ उप सचिवों को संयुक्त सचिव पद पर पदोन्नति।उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 29 अधिकारियों को विभिन्न प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति देते हुए नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इन अधिकारियों को मंडल, जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण, निर्वाचन, लोक सेवा आयोग और अन्य महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश के अनुसार डॉ. विश्राम को अपर आयुक्त, मीरजापुर मंडल, अशोक कुमार कन्नौजिया को संयुक्त निदेशक, युवा कल्याण तथा पुष्प राज सिंह को सचिव, विकास प्राधिकरण, गोरखपुर नियुक्त किया गया है।इसी प्रकार संजय कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), मुजफ्फरनगर, राज कुमार द्विवेदी को अपर आयुक्त, विन्ध्याचल मंडल, राकेश कुमार पटेल को अपर आयुक्त, लखनऊ मंडल, सुशीला को अपर आयुक्त, कानपुर मंडल, आलोक कुमार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), गोण्डा तथा वैभव मिश्रा को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), कुशीनगर बनाया गया है। विवेक श्रीवास्तव को सचिव, विकास प्राधिकरण, लखनऊ, योगानन्द पाण्डेय को अपर जिलाधिकारी (नगर), अयोध्या, प्रदीप कुमार यादव को अपर नगर आयुक्त, नगर निगम सहारनपुर, अमित कुमार को अपर आयुक्त, मेरठ मंडल, पूनम निगम को उपसचिव, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज तथा डॉ. नितिन मदान को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), रामपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा हर्ष देव पाण्डेय को परीक्षा नियंत्रक, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, शैलेन्द्र कुमार सिंह को विशेष कार्याधिकारी, यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, नरेन्द्र बहादुर सिंह को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), लखीमपुर खीरी, संतोष बहादुर सिंह को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), सहारनपुर तथा पंकज वर्मा को सचिव, विकास प्राधिकरण, मुरादाबाद नियुक्त किया गया है। सरकार ने विजय कुमार सिंह को मुख्य राजस्व अधिकारी एवं डिप्टी डेवलपमेंट कमिश्नर (डीडीसी), देवरिया, अतुल कुमार को अपर नगर आयुक्त, मुरादाबाद, अमित सिंह को उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, प्रियंका सिंह को कमांडेंट, सेंट्रल सिक्योरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, लखनऊ तथा अमित कुमार को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), कानपुर देहात की जिम्मेदारी भी सौंपी है।वहीं डॉ. सुनील कुमार वर्मा को अपर आयुक्त, राज्य कर, लखनऊ, गरिमा स्वरूप को विशेष कार्याधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, संदीप कुमार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), हापुड़ तथा राकेश कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), लखनऊ नियुक्त किया गया है। सचिवालय के आठ उप सचिव बने संयुक्त सचिव- उत्तर प्रदेश सचिवालय प्रशासन विभाग ने सचिवालय के आठ उप सचिवों को पदोन्नत कर संयुक्त सचिव बना दिया है। पदोन्नत अधिकारियों में संजीव श्रीवास्तव, आनंद कौशिक, राजेश पांडे, अजीत कुमार सिन्हा, सत्येंद्र प्रताप सिंह, अवन्तिका प्रसाद राय, नितिन कुमार गुप्ता और लालमणि यादव शामिल हैं। विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ तत्काल प्रभाव से प्रदान किया गया है।

सपा में बड़ा धमाका: सांसद रुचि वीरा से विवाद के बाद अखिलेश यादव के निर्देश पर कमाल अख्तर का मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा

मुरादाबाद में पीडीए सम्मेलन विवाद के बाद सपा विधायक कमाल अख्तर ने विधानसभा में मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर हुआ, जिसे पार्टी में अनुशासन कायम करने की कोशिश माना जा रहा है।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जांच का दिया था भरोसा, अब इस्तीफे से बढ़ीं चर्चा पीडीए सम्मेलन में सांसद को न बुलाने से शुरू हुआ था सियासी विवादमुरादाबाद देहात विधानसभा क्षेत्र में आयोजित पीडीए सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा को आमंत्रित नहीं किए जाने के बाद शुरू हुए विवाद ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया। कांठ से समाजवादी पार्टी के विधायक कमाल अख्तर ने विधानसभा में सपा विधायक दल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी के इस फैसले को सांसद रुचि वीरा और कमाल अख्तर के बीच चल रही सियासी खींचतान से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर कमाल अख्तर ने मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दिया है। बीते दिनों दोनों नेताओं को लखनऊ बुलाकर अखिलेश यादव ने अलगअलग बातचीत की थी। इनके साथ राज्यसभा सदस्य जावेद अली व पार्टी के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव भी थे।सांसद प्रतिनिधि खुशनूद अली को कमाल अख्तर ने बिजनौर निवासी बता दिया था। उन्होंने भी कमाल अख्तर को अमरोहा का बताया था। इसे लेकर सांसद से कमाल अख्तर की बहस भी हुई थी। सपा मुखिया ने पूरे विवाद की जांच कराकर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया था। मंगलवार को कमाल अख्तर के इस्तीफे के साथ इस विवाद ने नया राजनीतिक संदेश दे दिया है।कमाल अख्तर ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय अध्यक्ष के हर निर्णय का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नेता का आदेश था,

इसलिए मैंने मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया। अगर वह विधायक पद छोड़ने के लिए भी कहेंगे तो एक पल की भी देर नहीं लगेगी। मैं 33 वर्षों से समाजवादी पार्टी का सिपाही हूं। पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाया और अब जब पद छोड़ने को कहा गया तो उसे भी स्वीकार कर लिया। हमें किसी पद का मोह नहीं है। उधर, सांसद रुचि वीरा ने कहा कि वह अपनी बात राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने रख चुकी हैं। उन्होंने कहा कि कमाल अख्तर के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफे का फैसले पूरी तरह पार्टी नेतृत्व का बताया। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूरे मामले की जांच कराने और उसके बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया था। इससे अधिक मुझे कुछ नहीं कहना है। गौरतलब है कि पीडीए सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा को आमंत्रित नहीं किए जाने के बाद दोनों नेताओं के समर्थकों के बीच बयानबाजी तेज हो गई थी। मामला पार्टी नेतृत्व तक पहुंचा तो अखिलेश यादव ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों नेताओं को लखनऊ बुलाया। अब मुख्य सचेतक पद से कमाल अख्तर के इस्तीफे के बाद मुरादाबाद की सपा राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजनीतिक जानकार इसे संगठन में अनुशासन कायम करने और जिले की अंदरूनी गुटबाजी पर नियंत्रण की कोशिश के रूप में देख रहे हैं।

मुरादाबाद में दुग्ध डेयरी से भैंस चोरी करने वाले दो चोरों का एनकाउंटर, पैर में गोली लगने से घायल

मुरादाबाद में दुग्ध डेयरी से भैंस चोरी के मामले में पुलिस ने दो और चोरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों चोरों के पैर में गोली लगी।कटघर क्षेत्र के गांव दौलारी का मझरा निवासी नईम की दुग्ध डेयरी से भैंस चोरी करने वाले दो और चोरों से पुलिस की बुधवार के तड़के भुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो चोरों के पैर में गोली लग गई। इससे वह घायल हो गए। इससे पहले भी पुलिस दो आरोपितों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बुधवार को पुलिस ने आरोपितों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।कटघर क्षेत्र गांव दौलारी का मझरा निवासी नईम की गांव में दुग्ध डेयरी है। 16 जून की रात चोरों ने इनकी डेयरी से दो भैंस चोरी कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने बीते गुरुवार को शाहरूख निवासी लालपुर मिलक भोजपुर को गिरफ्तार करके जेल भेजा था।इसके कब्जे से 20 हजार रुपये बरामद किए थे। इसके बाद पुलिस ने रविवार को मुठभेड़ के बाद रामपुर के टांडा निवासी रफी के पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया था। भैंस चोरी करने वाले तीन आरोपित फरार चल रहे थे। एसएसपी सतपाल अंतिल ने तीनों आरोपितों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बुधवार के तड़के कटघर पुलिस को सूचना मिली की आरोपित रफतपुर क्षेत्र में है। इसके बाद पुलिस ने रफतपुर अंडरपास के बाद चेकिंग शुरू कर दी। तभी पुलिस को एक बाइक पर कुछ लोग आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में यशवीर निवासी गांव भायपुरा मूंढापांडे और हाकम निवासी गंज वाली मिलक भगतपुर के पैर में गोली लग गई। दोनों घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यशवीर पर पहले से ही 27 मुकदमे है जबकि हाकम पर 18 मुकदमे है। एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार ने बताया कि पहले ही दो आरोपितों को पुलिस गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। इसके अलाव अब दो आरोपितों को कटघर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। एक और आरोपित फरार है अब पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

मुरादाबाद में आकाशीय बिजली का कहर : धान की रोपाई कर रहे दो मजदूरों की मौत, तीन युवतियां गंभीर

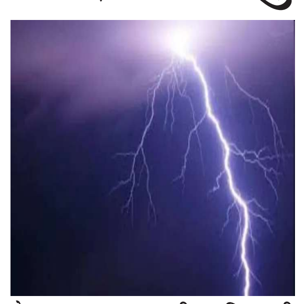

मुरादाबाद में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से धान की रोपाई कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन युवतियां गंभीर रूप से झुलस गईं। प्रशासन ने राहत और सहायता प्रक्रिया शुरू की।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में बुधवार सुबह मूसलाधार बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। मझोला थाना क्षेत्र में धान की रोपाई कर रहे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन युवतियां गंभीर रूप से झुलस गईं। घायलों का हायर सेंटर में इलाज चल रहा है।पुलिस के अनुसार, मझोला क्षेत्र निवासी बिलाल के खेत में मैनाठेर गांव की गौशाला के पास धान की रोपाई का कार्य चल रहा था। खेत में गांगन वाली मैनाठेर निवासी संतराम (35), विनीता (20), सपना, देवांशी, कामिनी समेत कई मजदूर काम कर रहे थे।सुबह करीब नौ बजे अचानक तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर पास के एक पेड़ के नीचे जाकर खड़े हो गए। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली सीधे पेड़ पर गिर गई। इसकी चपेट में आने से संतराम, विनीता, सपना, देवांशी और कामिनी गंभीर रूप से झुलस गए।हादसे के बाद आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने संतराम और विनीता को मृत घोषित कर दिया। वहीं सपना, देवांशी और कामिनी की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिला प्रशासन ने पूरे मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है और मृतकों के परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इधर, बुधवार सुबह से मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा और संभल जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया है। बारिश से किसानों को राहत मिली है और खरीफ फसलों के लिए यह लाभदायक साबित हो रही है।हालांकि, लगातार बारिश के कारण कई शहरी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है। प्रमुख सड़कों और हाईवे पर पानी भरने तथा दृश्यता कम होने से यातायात प्रभावित हुआ है। वहीं ग्रामीण इलाकों में कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित रही, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आकाशीय बिजली से बचाव के लिए सावधानी जरूरी- बारिश के दौरान खुले खेत, ऊंचे पेड़, बिजली के खंभों और धातु की वस्तुओं के पास खड़े होने से बचें। मौसम खराब होने पर तुरंत किसी पक्की इमारत या सुरक्षित स्थान पर शरण लें। यदि सुरक्षित आश्रय उपलब्ध न हो तो खुले मैदान में झुककर बैठें, लेकिन पेड़ के नीचे कभी शरण न लें।

यूपी में मानसून की दस्तक, 30 जिलों में तेज हवा के साथ भारी बारिश की चेतावनी

प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी कई जिलो में बारिश होगी और 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार के साथ हवाएं चलेंगी। फिलहाल मौसम के करवट बदलते ही यूपी का मौसम सुहाना हो रहा है।उत्तर प्रदेश में मानसून की दस्तक के साथ भीषण गर्मी का दौर थम रहा है। प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी कई जिलों में बारिश होगी और 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार के साथ हवाएं चलेंगी। फिलहाल मौसम के करवट बदलते ही यूपी का मौसम सुहाना हो रहा है। मंगलवार को पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, बहराइच समेत कई जिलों में हुई झमाझम बारिश से, किसानों से लेकर आम लोगों के चेहरे खिल उठे। तराई क्षेत्र में सुबह से बादल छाए हैं और यहां बारिश की संभावना बनी है। मंगलवार की बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है। बारिश के इंतजार में ही धान की रोपाई गति नहीं पकड़ पा रही है। तेज धूप के चलते किसान भी धान रोपाई का साहस नहीं जुटा पा रहे थे। लेकिन बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है। यहां से गुजर रहा मानसून - मौसम विभाग के मुताबिक, दो-तीन दिन के अंदर यूपी के अलग-अलग हिस्सों में मानसून पहुंच जाएगा। फिलहाल अभी बरेली, अयोध्या, आजमगढ़ से मानसून गुजर रहा है। माानसून की एंट्री के साथ ही तापमान में गिरावट भी नजर आने लगी है। मौसम विभाग ने बुधवार को यूपी के कई जिलों में बारिश के साथ बिजली तड़कने की भी संभावना जताई है। इसमें हरदोई, कानपुर, सीतापुर, कन्नौज, मुरादाबाद, अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर, संभल, मरेठ और आगरा जिले शामिल हैं। यहां गरज-चमक के साथ बारिश होगी। राजधानी लखनऊ का हाल - लखनऊ में मंगलवार के बाद बुधवार को भी सुबह से बादल छाए रहे। सुबह को हवा में हल्की नमी देखी गई। यहां बारिश का शिद्दत के साथ इंतजार किया जा रहा है। रात में उमस अभी भी बेहाल किए है। फिलहाल राजधानी में मासनून की पहली बारिश का इंतजार है। उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी उत्तराखंड में मासनून की एंट्री हो चुकी है। अगले चार दिन तक झमाझम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक गरज-चमक के साथ बारिश होगी। फिलहाल प्रदेश में भूस्खलन को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। सैलानियों से लेकर आम लोगों से सतर्क रहने का आह्वान किया गया है। मौसम विभाग के क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 30 जून से 6 जुलाई तक पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अनेक हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। 30 जून से 2 जुलाई के बीच कई स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है।उत्तर प्रदेश में मानसून ने आखिरकार रफ्तार पकड़ ली है। पूर्वांचल के रास्ते शुरू हुई मानसूनी गतिविधियों से मंगलवार को कानपुर, अयोध्या, सोनभद्र समेत कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। बारिश के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अगले सात दिनों तक प्रदेश में मौसम सक्रिय रहेगा और अधिकांश जिलों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।मौसम विभाग के क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 30 जून से 6 जुलाई तक पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अनेक हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। 30 जून से 2 जुलाई के बीच कई स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। प्रदेश में अब तक सामान्य से 59 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

19 केंद्रों पर 5 पालियों में होगी शिक्षक पात्रता परीक्षा: डीएम ने बैठक के अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (अपटेट) के सफल आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता में यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में हुई। जिले के 19 केंद्रों पर कुल 31,560 अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा में शामिल सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, सह-केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक और अन्य अधिकारी शासन द्वारा निर्धारित निर्देश पुस्तिका का गंभीरता से पालन करें। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने को कहा, ताकि केंद्र व्यवस्थापकों को कोई असुविधा न हो। सेक्टर मजिस्ट्रेटों को यह प्रमाण पत्र देना होगा कि परीक्षा से पहले सभी केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को महिला परीक्षार्थियों की सुरक्षा के लिए केंद्रों पर पर्याप्त कर्मी तैनात रखने के निर्देश भी दिए। अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका को केंद्रों पर शुद्ध पेयजल और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को परीक्षार्थियों के लिए गर्मी से बचाव हेतु ओआरएस के पैकेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अधिशासी अभियंता, विद्युत विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि परीक्षा के दौरान किसी भी केंद्र पर विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। तकनीकी समस्या होने पर जनरेटर से बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा 2, 3 और 4 जुलाई को कुल 5 पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन हेतु जनपद में कुल 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें कुल 31560 परीक्षार्थियों (6312 परीक्षार्थी प्रति पाली) द्वारा कुल 05 पालियों में प्रतिभाग किया जाना है। परीक्षा के आयोजन हेतु जनपद में स्थापित 19 परीक्षा केंद्रों पर 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 19 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 19 केंद्र व्यवस्थापक, 19 सह केंद्र व्यवस्थापक तथा 526 कक्ष निरीक्षक नामित किए गए हैं। शासन के निर्देशानुसार उक्त परीक्षा को शांतिपूर्ण, सुचितापूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु यह महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

लेखपाल ने खेत की पैमाइश के बदले मांगी घूस

बरेली एंटी करप्शन टीम ने 10 हजार रूपए लेते किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम ने शाहजहांपुर में तैनात एक राजस्व लेखपाल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर खेत की पैमाइश और सीमांकन का काम करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप था।भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की ट्रैप टीम ने आज बुधवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए शाहजहांपुर सदर तहसील में तैनात राजस्व लेखपाल योगेश कुमार तिवारी को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।बताया गया कि शाहजहांपुर निवासी शिकायतकर्ता शाकिर अली ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से शिकायत की थी कि उसकी मां के खेत की पैमाइश और सीमांकन कराने के नाम पर लेखपाल 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है।शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रैप टीम ने जाल बिछाया और तय योजना के तहत आरोपी लेखपाल को नए बाईपास फ्लाईओवर के नीचे रिश्वत की रकम लेते ही दबोच लिया। कार्रवाई दोपहर करीब 12 बजकर 37 मिनट पर की गई।गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में थाना कटरा, जनपद शाहजहांपुर में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सोने की आड़ में करोड़ों की ठगी का खुलासा : 3 शातिर नटवरलाल गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । किला पुलिस ने नकली सोने की मोहरों के जरिए सुनारों को ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसपी सिटी मानुष पारिक ने बताया कि राजस्थान के भरतपुर और अलवर के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पहले कई बार असली सोने की मोहरें गिरवी रखकर भरोसा जीतते थे, फिर 5वीं बार नकली मोहरें देकर 20 लाख रुपये और जेवर लेकर फरार हो जाते थे। इसी तरीके से प्रकाश ज्वैलर्स और एक अन्य ज्वैलर्स को भी लाखों की चपत लगाई गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 असली सोने की मोहरें, 4 नकली मोहरें, जेवरात, मोबाइल, फर्जी आधार कार्ड और नकदी बरामद की है। सीसीटीवी, मोबाइल सर्विलांस और जांच के आधार पर कार्रवाई की गई। एसपी सिटी मानुष पारीक ने व्यापारियों से जेवर गिरवी लेते समय पूरी जांच पड़ताल करने और फर्जी आईडी से सावधान रहने की अपील की ।

केंद्रीय कारागार-2 का संयुक्त निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया विस्तृत जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। केंद्रीय कारागार-2 का बुधवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश के नेतृत्व में संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कारागार परिसर का गहन निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों, भोजनालय, चिकित्सीय सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा प्रबंध एवं कारागार परिसर की अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने कारागार प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों को शासन की मंशा के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा कारागार की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि कारागार की सुरक्षा, अनुशासन और बंदियों के अधिकारों के संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।

वन महोत्सव के शुभारंभ पर बरेली में मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने किये पौधारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत बुधवार से वन महोत्सव सप्ताह (1 से 7 जुलाई) का शुभारंभ हो गया। बरेली वन प्रभाग की सभी रेंजों में पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बरेली रेंज के गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार ने बेल का पौधा लगाकर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद आयोजित पौध भंडारे में करीब 2 हजार आम, तुलसी, अनार, अमरूद और सहजन के पौधे लोगों को वितरित किए गए। फरीदपुर, बहेड़ी, मीरगंज और नवाबगंज रेंजों में भी पौध वितरण, पौधरोपण, चित्रकला प्रतियोगिता और पर्यावरण संरक्षण विषय पर गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों पौधे वितरित किए गए और ग्रामीणों व विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संदेश दिया गया। वन विभाग ने बताया कि 1 से 7 जुलाई तक प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं सहित कई जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही आम बहार-आपके द्वार अभियान के तहत आम के पौधों का भी व्यापक वितरण किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को लेकर डीआईजी अजय कुमार साहनी का मास्टर प्लान

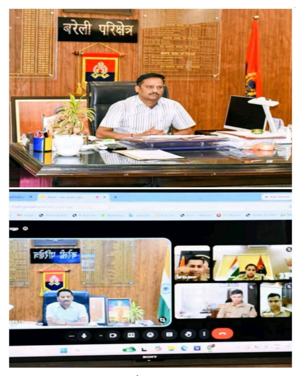

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर बरेली परिक्षेत्र पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी ने बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर के पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की और कई अहम निर्देश जारी किए।डीआईजी ने स्पष्ट किया कि सभी कांवड़ शिविरों की पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी। शिविर मुख्य सड़क से सुरक्षित दूरी पर लगाए जाएंगे और वहां सीसीटीवी कैमरे, फायर सेफ्टी, महिला श्रद्धालुओं के लिए अलग शौचालय व विश्राम कक्ष जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। हाईवे पर शिविर सड़क के बाईं ओर लगाए जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को सड़क पार न करनी पड़े और दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पूरे कांवड़ मार्ग को सुपर ज़ोन, ज़ोन, सेक्टर और सब-सेक्टर में बांटा जाएगा। पैदल और बाइक गश्त बढ़ाई जाएगी, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा महिला और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष फोकस रहेगा। कांवड़ मार्ग पर सीसीटीवी और आईपी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी, जिसकी मॉनिटरिंग सीधे परिक्षेत्र कार्यालय की कांवड़ सेल से होगी।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संयुक्त रूट डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा। आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों के लिए अलग रूट तय होंगे, जबकि दुर्घटना की स्थिति में पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अस्पतालों में कांवड़ियों के लिए बेड आरक्षित रखने, मोटर बाइक एंबुलेंस, एसडीआरएफ, गोताखोर और फ्लड पीएसी की तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

इसके अलावा डीजे की ऊंचाई और ध्वनि मानकों का पालन, कांवड़ मार्ग पर साफ-सफाई, शराब और मांस की दुकानों पर विशेष निगरानी तथा प्रमुख शिवालयों और घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से कांस्टेबल की दर्दनाक मौत, दो सगी बहनें घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली के अक्षर विहार क्षेत्र के पास मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में मुरादाबाद रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो सगी बहनें घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार एक कार ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी अनुसार, मुरादाबाद रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल जीत सिंह पदम अपनी परिचित दो सगी बहनों के साथ बैंक संबंधी कार्य से शाहजहांपुर जा रहे थे। दोपहर के समय जब उनकी कार बरेली के अक्षर विहार के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कांस्टेबल की कार का एयरबैग खुल गया। हादसे के दौरान स्टीयरिंग की प्लास्टिक का एक हिस्सा टूटकर उनके गले में घुस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने कांस्टेबल जीत सिंह पदम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, कार में सवार दोनों सगी बहनों का उपचार जारी है।

उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस टक्कर मारने वाली कार और उसके चालक की पहचान कर आगे की वैधानिक कार्रवाई में जुटी है। कांस्टेबल की असामयिक मृत्यु से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हर बूथ बनेगा मॉडल बूथ ! डीएम ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के पुनर्गठन और सुविधाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि हर मतदान केंद्र पर बिजली, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और बाउंड्रीवाल जैसी मूलभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध हों। साथ ही जर्जर और निजी भवनों में बूथ बनाने से बचने तथा शासकीय भवनों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 3,835 मतदेय स्थल और 1,940 मतदान केंद्र हैं। मतदाता सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुछ नए मतदेय स्थलों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। राजनीतिक दलों से निर्धारित समय सीमा में सुझाव और आपत्तियां देने की अपील भी की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बूथों का चयन पूरी तरह निर्वाचन आयोग के मानकों और मतदाताओं की सुविधा के आधार पर किया जाए, ताकि निष्पक्ष, पारदर्शी और सुगम मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

बिथरी विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगाज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में एक जुलाई से शुरू हुए विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ बुधवार को बिथरी चैनपुर के विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भमोरा एवं बिथरी चैनपुर से जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक प्रमुख, खंड विकास अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, सीएचसी प्रभारी, मलेरिया निरीक्षक तथा डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अभियान 1 से 31 जुलाई तक तथा दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान स्वास्थ्य, नगर विकास, पंचायती राज, आईसीडीएस, शिक्षा, कृषि, पशुपालन और अन्य विभाग मिलकर एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग, सफाई अभियान और घर-घर जागरूकता के माध्यम से संचारी रोगों की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करेंगे।

जेवर एयरपोर्ट के लिए पहली फ्लाइट रवाना, विकास को लगे पंख

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आसपास के जिलों के लोगों के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा। लंबे इंतजार के बाद बरेली एयरपोर्ट से नोएडा स्थित जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए नियमित हवाई सेवा शुरू हो गई। पहली इंडिगो फ्लाइट की 78 सीटों में से 49 यात्रियों ने सफर किया और इस नई सुविधा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। पहली उड़ान के मौके पर सांसद छत्रपाल गंगवार ने यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सेवा पूरे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि गुरुवार से बरेली से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए भी सीधी उड़ान शुरू होगी, जिससे देश-विदेश की कनेक्टिंग फ्लाइट्स लेना आसान हो जाएगा। सांसद ने इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में बरेली को चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, गोवा, जम्मू और अहमदाबाद जैसे शहरों से भी हवाई सेवा से जोड़ने के प्रयास जारी हैं। नई उड़ान सेवा से व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति मिलने के साथ-साथ बरेली की हवाई कनेक्टिविटी भी और मजबूत होगी।

माधोगढ़ विधान सभा का भाजपा का बूथ सम्मेलन आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन)। आज उरई रोड स्थित होटल आशीर्वाद में भारतीय जनता पार्टी का माधोगढ़ विधान सभा क्षेत्र से जुड़े बूथ अध्यक्षों का सम्मलेन आयोजित किया गया इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित मुख्य वक्ता नागेंद्र गुप्ता और अशोक राठौर उरई नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता आशु निरंजन भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल आदि मंचस्थ विराजमान रहे इस सम्मलेन में आये हुये विधान सभा क्षेत्र के कई बूथ अध्यक्षों का अंगवस्त्र उड़ाकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि उर्बिजा दीक्षित ने कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन में रहकर अपने अपने बूथ को मजबूत करे ताकि पुनः भाजपा की सरकार बन सके। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता शिक्षाविद अशोक राठौर उरई ने अपने संबोधन में कहा कि जो भी बूथ अध्यक्ष है वह विधान सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथ को ठीक कर अच्छे लोगों को जोड़ जो पार्टी के लिये मेहनत करता है उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष तैयारी में लगे रहे आगामी प्रदेश में होने वाले चुनाव में कड़ी मेहनत करे जिससे प्रदेश में फिर से भारतीय जनता पार्टी का शासन आ सके उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष सरकार की योजना ओं का पात्र लोगों को लाभ दिलाने का कार्य करें इस अवसर पर नागेंद्र गुप्ता भारतीय जनता पार्टी की नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल प्रबल प्रताप सिंह अटा गांव धर्मेंद्र राठौर प्रदीप वर्मा तीते गुप्ता मनीष नगरिया अनिल अग्रवाल शिव सिंह कुशवाहा प्रभंजन अग्रवाल ओपी कुशवाहा उज्वल दीक्षित इलियास मकरानी मनीष चौधरी सौरभ पुरवार अंचल बिलैया अनिल कपूर सोनी राघवेंद्र सोनी कमल कुशवाहा सभासद रविकांत कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

13 मुहर्रम उल हराम की शबेदारी बड़े एतराम और हकीकत के साथ आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा / मुरादाबाद के थाना नागफनी क्षेत्र के नवाबपुरा स्थित इमामबाड़ा हज़रत अली (अ.स.) और इमामबाड़ा हज़रत अबू तालिब (अ.स.) में 13 मुहर्रम-उल-हराम की शबेदारी बड़े एहतराम और अकीदत के साथ आयोजित की गई। इमाम-ए-जुमा मौलाना अली हैदर नूरी ने कर्बला और शहादत-ए-इमाम हुसैन (अ.स.) पर बयान किया। बयान के दौरान पूरा माहौल ग़मगीन हो गया और अज़ादारों की आंखें नम हो गईं। 13 मुहर्रम की शबेदारी में नवाबपुरा का पूरा इलाका ग़म-ए-हुसैन में डूबा नज़र आया। इमामबाड़ा हज़रत अली (अ.स.) में बड़ी संख्या में अज़ादार जमा हुए, जहां मजलिस का आगाज़ इमाम-ए-जुमा मौलाना अली हैदर नूरी के बयान से हुआ। मौलाना ने कहा कि कर्बला का पैग़ाम सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए है। इमाम हुसैन (अ.स.) ने ज़ुल्म के सामने झुकने के बजाय अपने पूरे घराने की कुर्बानी देकर सच्चाई और इंसाफ़ का रास्ता दुनिया को दिखाया। मजलिस के बाद मशहूर नोहाख़्वानों ने दर्दभरे नौहे पेश किए, जिन पर अज़ादारों ने पुरसोज़ मातम किया। इसके बाद मातमी जुलूस नोहाख़्वानी और सीना-ज़नी करता हुआ इमामबाड़ा हज़रत अबू तालिब (अ.स.) पहुंचा, जहां शबेदारी का समापन हुआ। इस दौरान जगह-जगह सबील और लंगर का भी इंतज़ाम किया गया, जहां अज़ादारों और राहगीरों ने तबर्रुक हासिल किया। कार्यक्रम में हाजी रईस हैदर, हाजी चमन हैदर, मुराद हुसैन, बाबर अली, गुलफ़ाम हुसैन, मौलाना सज्जाद रज़ा, गुलज़ार हैदर, इरफ़ान हैदर, ज़ुल्फ़िकार हैदर, जावेद अली, नईम क़ादरी, मौलाना अकील, जीशान, अनीस हैदर, जाफ़र अब्बास, राजा अली, शमशेर अली सहित बड़ी संख्या में अज़ादार मौजूद रहे। 13 मुहर्रम की इस शबेदारी में कर्बला की कुर्बानियों को याद करते हुए अज़ादारों ने इमाम हुसैन (अ.स.) और उनके वफ़ादार साथियों को ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश किया। वक्ताओं ने कहा कि कर्बला का पैग़ाम आज भी पूरी इंसानियत के लिए हक़, सब्र और इंसाफ़ का रास्ता दिखाता है।

संक्षिप्त समाचार

श्रावस्ती में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मनाया जन्म दिन

क्यूँ न लिखूँ सच /जगतराम विश्वकर्मा/ श्रावस्ती पूर्व मुख्यमंत्री के जन्म दिन पर के अवसर माननीय अखिलेश सिंह यादव के 1 जुलाई 2026 ई? के अवसर पर भिनगा श्रावस्ती में सपा

कार्यलय पर केक काट कर जन्मदिन मनाया गया। जिला अध्यक्ष सरबजीत यादव समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्राणी वर्मा मौजूदा रहे पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश सिंह यादव के 54 वर्ष गाठ पर बहुत-बहुत बधाई देते हुए समाजवादी से कार्यकर्ता के जनता के बीच बहुत उत्साह उल्लास देखने को मिला विधायक भिन्गा इन्दाणी वर्मा कहा कि 2027 के मुख्य मंत्री बनाने की अपील किया। सरबजीत यादव ने कहा कि हमारे समाजवादी के कार्यकर्ता जी जान से मेहनत में लगे रहे

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का मनाया धूमधाम से जन्मदिन

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद = कस्बा के पथवारी माता मंदिर के पास सपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बुधवार को मिठाइयां वितरण कर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख तेजवीर सिंह ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, सशफीक खान, विवेक यादव, प्रेम यादव, राजेश मौर्य, नाहर सिंह मौर्य, मोहम्मद शमी आदि समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन से हटाया गया धार्मिक स्थल: ट्रैक के बीच में स्थिति था, हिंदूवादी संगठन भी हटाने की उठा चुके थे मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 और 7 के बीच स्थित एक धार्मिक स्थल को बुधवार को हटा दिया गया। यह स्थल रेलवे ट्रैक के बीच में होने के कारण ट्रैक में घुमाव था, जिससे स्टेशन से छूटने के बाद ट्रेनों की गति धीमी हो जाती थी। रेलवे बोर्ड के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। स्थानीय रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस धार्मिक स्थल के कारण ट्रैक में एक स्पष्ट घुमाव (कर्व) बन गया था। इस घुमाव के चलते ट्रेनें स्टेशन से निकलते ही तुरंत गति नहीं पकड़ पाती थीं, जिससे परिचालन में बाधा आती थी। रेलवे बोर्ड ने इस समस्या को दूर करने के लिए स्थल को हटाने का निर्देश दिया था। रेलवे स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की गई है। उन्होंने पुष्टि की कि धार्मिक स्थल रेलवे ट्रैक के बीच में स्थित था। इस कदम से ट्रेनों को स्टेशन से निकलने के बाद बेहतर गति मिल पाएगी और परिचालन सुगम होगा। स्टेशन पर अमृत योजना के तहत अन्य निर्माण कार्य भी चल रहे हैं।

सीडीओ ने लक्ष्मी प्रेरणा महिला संकुल स्तरीय समिति का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ आज मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने विकास खंड उसावां स्थित लक्ष्मी प्रेरणा महिला संकुल स्तरीय समिति का निरीक्षण कर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संकुल स्तरीय समिति की सदस्य राजेश्वरी, सुषमा, सुनीता, ममता, प्रतिभा सहित अन्य महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों एवं आय के स्रोतों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

समूह की महिलाओं ने बताया कि वे दुग्ध डेयरी संचालन, बैग निर्माण, नींबू की खेती, कॉस्मेटिक एवं रेडीमेड वस्त्रों के व्यवसाय से जुड़ी हुई हैं तथा इन गतिविधियों के माध्यम से प्रति माह लगभग 10 हजार से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रदान की तथा उन्हें अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपायुक्त (स्वतः रोजगार) एवं संबंधित जिला मिशन प्रबंधक को स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को फूलों की खेती, पॉलीहाउस तथा अन्य रोजगारपरक गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त (स्वतः रोजगार) रवि प्रकाश सिंह, खंड विकास अधिकारी उसावां मनीष कुमार वर्मा, समस्त जिला मिशन प्रबंधक, ब्लॉक मिशन प्रबंधक एवं संकुल स्तरीय समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

थाना इस्लामनगर पुलिस नें नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मुख्य आरोपी को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / थाना इस्लामनगर पर पीड़िता की दादी प्रेमवती पत्नी प्यारेलाल की लिखित तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 162/2026 धारा 75(1)/351(3) बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट बनाम गजेन्द्र व 01 अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था विवेचना के दौरान पीड़िता द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 183 बीएनएसएस के अंतर्गत दिए गए कथनों से दुष्कर्म की पुष्टि होना पाया गया। पीड़िता के उक्त कथनों के आधार पर अभियोग में पूर्व में अंकित धारा 75(1) बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट का लोप करते हुए धारा 70(2) बीएनएस एवं 5त्त/6 पॉक्सो एक्ट की वृद्धि की गई । घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए आज एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 हृदेश कठेरिया के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बिल्सी श्री आलोक सिद्धू के पर्यवेक्षण में घटना के अनावरण एवं आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया । उक्त क्रम में थाना इस्लामनगर पुलिस द्वारा आज को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए घटना में संलिप्त मुख्य आरोपी/वांछित अभियुक्त गजेन्द्र पुत्र ओमवीर निवासी ग्राम भवीपुर थाना इस्लामनगर जनपद बदायूँ को ग्राम मियांपुर दियौरा तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

टीईटी परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण, 15 केंद्रों पर 28198 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा 02, 03 व 04 जुलाई को उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 आयोजित की जा रही है। 02 व 03 जुलाई को दो-दो पालियों में तथा 04 जुलाई, 2026 को केवल प्रथम पाली में परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा को नकल विहीन, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने हेतु सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जनपद के 15 केंद्रों पर कुल 28198 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

डीएम ने बताया कि जनपद के 15 केंद्रों पर कुल 28198 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। तीन दिवसीय परीक्षा कुल 05 पालियों में आयोजित होगी, जिसमें प्रथम तीन पाली उच्च प्राथमिक स्तर तथा अंतिम दो पाली प्राथमिक स्तर की होंगी। प्रथम दो पाली में प्रत्येक पाली में 5639 अभ्यर्थी तथा अंतिम तीन पाली में प्रत्येक पाली में 5640 की संख्या में अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 09:30 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 02:30 बजे से 05:00 बजे तक होगी।

नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि परीक्षा के सफल, शान्तिपूर्ण एवं शुचितापूर्ण संचालन हेतु परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200 मीटर की परिधि में और आवश्यकता पड़ने पर उसके बाहर भी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अन्तर्गत धारा-163 लगा दी गई है। बस स्टेशनों व रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, यातायात व्यवस्था एवं ट्रैफिक नियंत्रण के कुशल संचालन हेतु सम्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए है। परीक्षा के दिन परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200-300 मीटर की परिधि में साइबर कैफे, फोटो कॉपी, प्रिन्टिंग दुकाने बन्द रहेगी। परीक्षा केन्द्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारण यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ अन्य संचार संबंधी उपकरण एवं आई0टी0 गैजेट्स ले जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

दबंगों के कब्जे से मुक्त कराई 150 बीघा शासकीय पट्टे की भूमि, 64 आदिवासी परिवारों को मिला कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर पोहरी अनुभाग में अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई। एसडीएम जे.पी. गुप्ता के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम अनभौरा में लगभग 3 करोड़ रुपये मूल्य की 150 बीघा से अधिक शासकीय पट्टे की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर 64 पट्टाधारी आदिवासी परिवारों को विधिवत कब्जा दिलाया।

प्रशासन के अनुसार, पोहरी अनुभाग के छर्च क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अनभौरा में वर्षों से कुछ लोगों ने आदिवासी पट्टाधारियों की भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था। संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कब्जा हटाया, भूमि की जुताई कराई और राजस्व अभिलेखों के अनुरूप संबंधित हितग्राहियों को उनकी भूमि का वास्तविक कब्जा सौंपा।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी तथा पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने अशोक कुमार, जगवीर, दखो बेबा, बल्लू, टिंकू, विनीत कुमार, जगराम एवं श्रिया सहित अवैध कब्जाधारियों से भूमि मुक्त कराकर सभी 64 पट्टाधारियों को सुपुर्द की।

एसडीएम जे.पी. गुप्ता ने कहा कि गरीब, दलित एवं आदिवासी परिवारों की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में प्रशासन की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

करैरा पुलिस ने 4 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं, दो आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत करैरा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 3 लाख रुपये मूल्य की चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में करैरा थाना पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक चोरी की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल लेकर गल्ला मंडी के पीछे से करैरा की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर अनीस (नट) खां उर्फ लंपू निवासी अमारा पिरोठ (थाना इंदार) को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान वह मोटरसाइकिल के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और वाहन चोरी का होना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर उसके साथी अरविंद जाटव निवासी न्यू कॉलोनी, करैरा के कब्जे से तीन अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। इसके बाद अरविंद जाटव को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बरामद वाहनों में एक हीरो एचएफ डीलक्स, एक हीरो स्प्लेंडर, एक बजाज पल्सर तथा एक होंडा ड्रीम युगा मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद वाहनों की कुल कीमत लगभग 3 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर शिवपुरी, ग्वालियर और दतिया क्षेत्रों से वाहन चोरी करना स्वीकार किया है। फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई, उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह चाहर, आरक्षक सुरेंद्र सिंह रावत एवं राधेश्याम जादौन की सराहनीय भूमिका रही।

मटेरा बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की मांग, जिलामंत्री को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिह / बहराइच। जनपद बहराइच के विकास खंड रिसिया अंतर्गत कस्बा मटेरा बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर क्षेत्र के व्यापारियों और ग्रामवासियों ने भाजपा के जिलामंत्री आलोक जिंदल को ज्ञापन सौंपा 29 जून 2026 को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि ग्रामसभा भौखारा का मटेरा बाजार क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है, जिसकी आबादी लगभग 25 से 30 हजार के बीच है। ज्ञापन के अनुसार कस्बे में दो इंटर कॉलेज, जनपद का दूसरा बड़ा रेलवे स्टेशन, दो राष्ट्रीयकृत बैंक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कई घरेलू उद्योग तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया कि मटेरा बाजार नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-3 के अंतर्गत नगर पंचायत बनाए जाने की आवश्यक शर्तों को पूरा करता है ज्ञापन में कहा गया कि मटेरा बाजार को नगर पंचायत का दर्जा मिलने से क्षेत्र के सुनियोजित विकास को गति मिलेगी तथा नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा। ग्रामवासियों और व्यापारियों ने जिलामंत्री से मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए शासन स्तर पर प्रभावी पहल कर मटेरा बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिलाया जाए इस अवसर पर क्षेत्र के कई व्यापारी, प्रतिष्ठान संचालक एवं ग्रामीण मौजूद रहे। ज्ञापन पर अनेक व्यापारियों आयुष अग्रवाल करतार सिंह मोहित अंकित जिंदल मटेरा ग्राम सभा भोखारा के कई लोग स्थानीय नागरिकों के हस्ताक्षर भी किए गए।

संचारी रोगों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान का आगाज, जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा तथा जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह व मुख्य चिकित्सा अधिकारी एचएन प्रसाद ने आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली गई जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही संचारी रोग नियन्त्रण एवं दस्तक अभियान शपथ दिलाई गई। रैली के माध्यम से आमजन को स्वच्छता अपनाने, जलभराव रोकने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने, साफ पेयजल के उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता तख्तियां और नारों के माध्यम से संचारी रोगों की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक किया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि 1 जुलाई से संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि गांव-गांव एवं वार्ड-वार्ड व्यापक जनजागरूकता, साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव तथा घर-घर स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल उपचार नहीं, बल्कि समय रहते बचाव एवं रोकथाम सुनिश्चित करना है। रैली में स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती,। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग के निर्देश पर जनपद मे आयोजित हो रही राहत चौपालों के क्रम मे तहसील जमुनहा मे राहत चौपालों का आयोजन किया गया। तहसील जमुनहा के अंतर्गत बहोरवा, ब्लाक आफिस जमुनहा, लालबोझा दर्वेशगांव, लक्ष्मननगर एवं फतेहपुर बनगाई मे राहत चौपालों का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि जिला प्रशासन लगातार आपदाओं से पूर्व सूचना तंत्र को मजबूत कर रहा है। वर्षा, बाढ़, आंधी तूफान , वज्रपात और बाढ़ के संबंध मे पूर्व सूचनायें लगातार जारी की जा रही हैं। जनपद मे पूर्व सूचना तंत्र को सटीक बनाने के लिए प्रति ब्लाक तीन स्वाचालित वर्षा मापी और प्रति तहसील तीन स्वाचालित मौसम सूचना तंत्र स्थापित किये गये हैं। जनपद मे दो वायु गुणवत्ता मापी भी स्थापित हैं। जिनसे लगातार डाटा प्राप्त किया जा रहा है। आम जन भी http://58.84.20.13/rahat/ लिंक का प्रयोग कर वर्षा, तापमान, वायु की गति आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आपदा पूर्व सूचना प्राप्त होने से अगर नागरिक सावधान हो जायें तो आपदा के प्रभाव को न्यून किया जा सकता है। राहत चौपालों मे हमारे बाढ़ चौकी प्रभारी नागरिकों को समस्त जानकारी देते हुए उन्हे बता रहे हैं कि गांव मे बाढ़ आने की सूचना पर अपने निकटस्थ बाढ़ शरणालय मे शरण लें। शरणालय मे भोजन,पानी, दैनिक कार्य, स्वास्थ्य आदि की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जायेगी। किसी भी प्रकार की आपदा मे जिला प्रशासन आपके सहयोग हेतु सदैव तत्पर है।बहोरवा राहत चौकी पर चौपाल अध्यक्ष उपजिलाधिकारी संजर राय ने बताया कि हम सभी के क्षेत्र मे बाढ़ हर एक दो वर्ष मे आती है इसलिए इस वर्ष भी बाढ़ आने की संभावना है इसलिए सभी नागरिक अपने जरूरी सामानों को सुरक्षित कर लें। जरूरी कागजात को वाटरप्रूफ फाइल मे एक जगह रखें। अपने घर मे कम से कम 07 दिन का सूखा खाने के सामान का पैकेट रखें। बाढ़ आने से पूर्व प्रशासनिक सूचनाओं पर ध्यान दें। सभी नागरिक मोबाइल मे सचेत एप और दामिनी एप डाउनलोड कर के रखें। सचेत एप आपको मौसम संबंधी एवं दामिनी एप आपको वज्रपात संबंधी पूर्व सूचना देता है इसका प्रयोग करें। पूर्व सूचना पर प्रतिक्रिया कर जीवन बचाया जा सकता है।आज एसडीआरएफ की टीम ने लक्ष्मणनगर मे ग्रामीणों को बाढ़ आपदा से बचाव की जानकारी दी।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा बनी जीवनदायिनी: ढाई माह की मासूम अवनी को मिला उच्चस्तरीय उपचार का अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच /अनिल कुमार/ कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत ढाई माह की मासूम बच्ची अवनी को जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराने के लिए पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का लाभ दिलाया गया है। गंजबासौदा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम त्योंदा निवासी श्री वीरू कुशवाह की पुत्री अवनी गंभीर हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित है। बच्ची को पूर्व में मेडिकल कॉलेज भोपाल द्वारा उच्च चिकित्सा संस्थान में उपचार के लिए रेफर किया गया था। शीघ्र उपचार कराने की सलाह दी गई थी। आर्थिक एवं भौगोलिक चुनौतियों के बीच परिवार के लिए यह उपचार कराना कठिन प्रतीत हो रहा था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग एवं आरबीएसके टीम के प्रयासों ने इस परिवार को नई उम्मीद प्रदान की। जानकारी के अनुसार 29 जून को बच्ची के पिता उपचार संबंधी सहायता प्राप्त करने के लिए जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र पहुंचे। वहां सोशल वर्कर द्वारा बच्ची का पंजीयन किया गया तथा मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र के प्रबंधक को अवगत कराया गया। जांच एवं उपलब्ध चिकित्सकीय दस्तावेजों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि बच्ची को तत्काल उच्च स्तरीय विशेषज्ञ चिकित्सा की आवश्यकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल जानकारी दी गई। उनके निर्देशन में वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर बच्ची को पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से गुजरात स्थित यू. एन. मेहता अस्पताल, अहमदाबाद भेजने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। आवश्यक स्वीकृतियों एवं व्यवस्थाओं को त्वरित गति से पूरा किया गया ताकि बच्ची को समय रहते उपचार मिल सके। निर्धारित योजना के अनुसार आज 1 जुलाई को आरबीएसके चिकित्सक डॉ. आरती खत्री, पैरामेडिकल स्टाफ नरेंद्र डांगी तथा वाहन चालक मुबीन खान की टीम ने बच्ची को उसके माता-पिता सहित सुरक्षित रूप से राजा भोज विमानतल, भोपाल पहुंचाया। यहां सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से बच्ची को अहमदाबाद रवाना किया गया है । अहमदाबाद स्थित . N. Mehta Institute of Cardiology and Research Centre में अब बच्ची का उपचार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क किया जाएगा। इससे परिवार को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ बच्ची के बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद भी बढ़ गई है।यह पूरा प्रकरण दर्शाता है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अधिकारी एवं कर्मचारी जब समन्वित रूप से कार्यों का संपादन कर गंभीर परिस्थितियों में भी जरूरतमंद परिवारों तक समय पर सहायता पहुंचाई जा सकती है। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा और आयुष्मान भारत योजना का यह सफल उपयोग न केवल एक मासूम के जीवन की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज में विश्वास और आशा का संदेश भी देता है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में चला अभियान, बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर होगी कड़ी कार्यवाही –एआरटीओ

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में संचालित मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार के नेतृत्व में स्कूली वाहनों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न मार्गों पर संचालित स्कूल बसों एवं वैनों की फिटनेस, परमिट, सुरक्षा उपकरणों तथा आवश्यक अभिलेखों की गहन जांच की गई। सघन जांच के दौरान दो स्कूली वाहन परिवहन नियमों एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते पाए गए। दोनों वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें कोतवाली जालौन में निरुद्ध कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।अभियान के दौरान वाहनों के वैध फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, चालक का ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी), जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, पैनिक बटन, फर्स्ट एड बॉक्स तथा अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता की भी जांच की गई। साथ ही क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर वाहन संचालन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन स्वामियों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करना होगा। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के विरुद्ध चालान, सीज एवं अन्य विधिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। परिवहन विभाग ने सभी अभिभावकों से भी अपील की है कि बच्चों को विद्यालय भेजने से पहले यह सुनिश्चित करें कि जिस वाहन से उनका बच्चा यात्रा कर रहा है, वह सभी सुरक्षा मानकों एवं वैध दस्तावेजों के साथ संचालित हो रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया कि मिशन सेफ फ्यूचर के तहत जनपद में यह विशेष अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा, ताकि प्रत्येक छात्र-छात्रा सुरक्षित वातावरण में विद्यालय पहुंच सके।

वन महोत्सव का शुभारंभ: एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ हरियाली का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / जनपद में वन महोत्सव का शुभारंभ आज राजकीय इंटर कॉलेज, उरई परिसर में उत्साहपूर्वक किया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर जनपदवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने भी पौधे लगाकर हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को कहा कि वर्षा ऋतु पौधरोपण का सबसे उपयुक्त समय है। प्रत्येक छात्र अपने घर, विद्यालय एवं आसपास उपलब्ध खाली स्थानों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल भी करे। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों से कहा कि विद्यालय आते समय आपके द्वारा लगाए गए पौधों को पानी देना अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, क्योंकि पौधे तभी वृक्ष बनेंगे जब उनका संरक्षण भी किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी शासकीय विभागों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों एवं आमजन से आह्वान किया कि 01 से 07 जुलाई तक वन महोत्सव के दौरान अधिक से अधिक पौधरोपण किया जाए। उन्होंने बताया कि वर्षाकाल 2026 में प्रदेशभर में 40 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी नागरिकों से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागी बनने तथा लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई एवं संरक्षण करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिन्कू सिंह राही, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

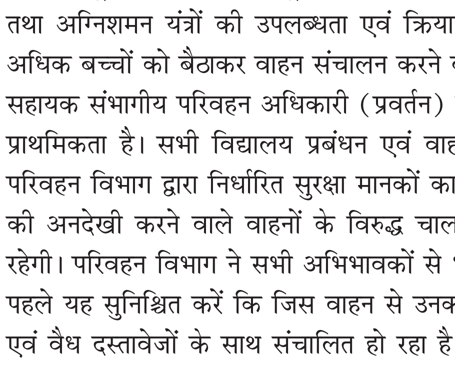

संक्षिप्त समाचार

मटेरा पुलिस ने 24 घंटे से पहले दो लापता बालिकाओं को सकुशल किया बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिह / बहराइच। मटेरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे से भी कम समय में लापता हुई दो नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा पुष्पेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी मटेरा हरिकेश सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार 30 जून 2026 को थाना मटेरा क्षेत्र के एक गांव से दो नाबालिग बालिकाओं के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर तत्काल मुकदमा संख्या 104/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने सर्विलांस सेल की मदद से सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। सघन खोजबीन के दौरान पुलिस ने दोनों बालिकाओं को थाना मटेरा क्षेत्र के निबिया बेगमपुर से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने बालिकाओं को परिजनों के सुपुर्द कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस सराहनीय कार्रवाई में उपनिरीक्षक संजय कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल वीरेंद्र गुप्ता, महिला कांस्टेबल प्रीति यादव एवं महिला कांस्टेबल ज्योति साह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सोनवा में किया गया अर्दली रूम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती- अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह द्वारा थाना सोनवा पर थाना प्रभारी एवं विवेचकगण के साथ अर्दली रूम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विवेचनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें लंबित विवेचनाओं व लंबित प्रार्थना पत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। विवेचकों को निर्देशित किया गया कि ऐसे मामलों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में गति आए और जनसामान्य को समयबद्ध न्याय प्राप्त हो सके। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं जैसे गैंगेस्टर अधिनियम के लम्बित अभियोगों में धारा 14 (1) उ0प्र0 गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही की समीक्षा, गुण्डा अधि नियम के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही में जिलाबदर की स्थिति, साइबर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की समीक्षा की गई। आनलाइन प्राप्त प्रार्थना पत्रों की समीक्षा व आपरेशन क्लीन, ऑपरेशन दहन व आपरेशन त्रिनेत्र के तहत की गयी कार्यवाही का अवलोकन किया। तथा पुरस्कार घोषितध्वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, एनबीडब्लूबीडब्लू तामीला की समीक्षा की गई। तत्पश्चात अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कस्बा सोनवा में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर आमजन को सुरक्षा का एहसास दिलाया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सोनवा एवं विवेचकगण उपस्थित रहे।

नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 62वीं वाहिनी एसएसबी द्वारा 16 दिवसीय मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशानिर्देश में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से समवाय तरूस्मा में 16 दिवसीय मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यक्षेत्र के जीवंत ग्राम तरूस्मा एवं जानकीनगर के कुल 15 युवाओं का चयन किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मोटर वाहन संचालन से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कार्यवाहक कमांडेंट श्री ललेंद्र रत्नाकर, द्वितीय कमान अधिकारी ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने तथा अर्जित कौशल का उपयोग अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राहुल भरत माली, सहायक कमांडेंट, संजय (प्रेरणा फाउंडेशन), प्रशिक्षु युवक एवं वाहिनी के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में समय-समय पर ऐसे जनकल्याणकारी एवं कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

Excessive pain during periods, could you be suffering from infertility?

Mild to moderate pain during periods is considered normal. However, if the pain is so severe that it makes daily tasks difficult and requires frequent painkillers, it should be investigated.

In some cases, this could be a sign of endometriosis. Periods are a wonderful process that occurs every month in women. It is a gift from nature that prepares the body for the possibility of motherhood. However, many women face complications during their periods. It is generally assumed that if there is a period, there will be pain. However, it is a matter of concern that sometimes this pain can also be a sign of serious problems within the body. Health experts say that mild to moderate menstrual pain can be natural. However, if you experience so much pain every month that it makes it difficult to sit or stand, forces you to miss school, college, or work, and requires frequent use of painkillers, it can be problematic. In many cases, this type of problem has been associated with conditions like endometriosis. Failure to address endometriosis in time can lead to infertility. If you experience period pain, be cautious and get it checked early. Problems during periods: According to the World Health Organization (WHO), approximately 10% of women and adolescents of reproductive age worldwide suffer from endometriosis. It's not just a period problem, it also causes long-term inflammation. It has been shown to impact quality of life, mental health, and fertility. Endometriosis is considered a serious and chronic condition. Tissues similar to the inner lining of the uterus (endometrium) begin to grow outside the uterus, on the ovaries, fallopian tubes, or other abdominal organs. These tissues thicken during each menstrual cycle, break down, and can bleed. This can cause inflammation, scarring, and severe pain. In many cases, they can even form cysts. In many cases, it takes years to be diagnosed because its symptoms are often mistaken for normal menstrual periods. Increased risk of endometriosis: The problems and pain caused by endometriosis can vary from woman to woman. Some may experience pain only during periods, while others may experience pelvic pain during intercourse, bowel movements, or throughout the year. Medical reports indicate that pain caused by endometriosis is caused by chemicals called prostaglandins, which contract the uterine muscles to expel the uterine lining. However, if the pain is so severe that it makes daily activities difficult, requires frequent medication, is accompanied by vomiting, fainting, severe back pain, or persistent pelvic pain, it should be taken seriously. What complications does endometriosis cause? According to the American College of Obstetricians and Gynecologists, the symptoms of endometriosis can vary from woman to woman. Therefore, it is important to be aware of these signs and take preventive measures. Severe pain during periods can be accompanied by pain in the pelvic area, or during or after intercourse. Some women also experience pain while defecating or urinating. Excessive or irregular bleeding, prolonged fatigue, bloating, bowel problems like constipation or diarrhea, and difficulty conceiving have also been reported. What causes this problem and what to do? The causes of endometriosis are not fully understood. However, it is believed that when you have endometriosis, tissue similar to the lining of your uterus begins to grow in the wrong places. Apart from genetic reasons, disorders of the immune system and the effect of hormones, especially estrogen, are also considered to be the reasons for this. If you too have these problems, then immediately consult a doctor and get yourself examined. Timely diagnosis and treatment can help in reducing the risks. Endometriosis is considered to be one of the main causes of infertility. Due to endometriosis, tissues start growing in places where they should not be. This can obstruct the process of reaching each other between sperm and egg during conception. You can reduce your risk by taking medicines and making lifestyle changes as per the advice of the doctor.

फतेहगढ़-फर्रुखाबाद मार्ग पर लगा भीषण जाम, राहगीरों और स्कूली बच्चों का गर्मी से हुआ बुरा हाल

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद 7 बुधवार को फर्रुखाबाद के बढ़पुर क्षेत्र में फतेहगढ़-फर्रुखाबाद मुख्य मार्ग पर अचानक भीषण जाम लग गया। आवास विकास तिराहा से लेकर नेकपुर गुमटी तक वाहनों की करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। इस भयंकर जाम के कारण चिलचिलाती धूप और उमस में राहगीरों, विशेषकर छुट्टी के बाद घर लौट रहे स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क पर रेंगते नजर आए वाहन-अचानक लगे इस जाम से दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन सड़क पर रेंगते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जाम इतना लंबा था कि लोगों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने में काफी देरी का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे स्थानीय राहगीर दीपक और सौरभ ने बताया कि वे 30 मिनट से भी अधिक समय तक उसी जगह पर फंसे रहे, जिससे पूरे मार्ग का यातायात पूरी तरह से प्रभावित हो गया। यातायात पुलिस ने तत्परता से संभाला मोर्चा- स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही यातायात प्रभारी सत्येंद्र कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तुरंत मोर्चा संभालते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम शुरू किया। पुलिस टीम ने सूझबूझ से वाहनों को क्रमबद्ध तरीके से आगे बढ़वाना शुरू किया, जिसके बाद धीरे-धीरे जाम खुलना शुरू हुआ और सड़क पर आवागमन फिर से सामान्य हो सका। वाहनों को सड़क पर न खड़ा करने की अपील यातायात प्रभारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस की पहली प्राथमिकता यह रही कि राहगीरों और विशेष रूप से स्कूली बच्चों को गर्मी में अधिक परेशानी न झेलनी पड़े। पुलिस ने कड़ी मशक्कत से वाहनों को व्यवस्थित रूप से निकलवाया। इसके साथ ही, उन्होंने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने और अनावश्यक रूप से सड़क पर वाहन खड़े न करने की अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या से बचा जा सके।

फर्रुखाबाद में रोडवेज बस में महिला के जेवर-नकदी चोरी: बस अड्डे पर पहचानकर चोर को दबोचा, पुलिस के हवाले किया

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद-रोडवेज बस में सफर कर रही एक महिला के बैग से करीब एक लाख रुपये के सोने के जेवर और 25 हजार रुपये नकद चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के अगले ही दिन पीड़िता और उसके परिजनों ने आरोपी को बस अड्डे पर ही पहचान कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मदद के बहाने की चोरी- शमसाबाद के कलुआपुर निवासी उमा देवी सोमवार को हरदोई के सवायजपुर स्थित अपने मायके जा रही थीं। बस अड्डे पर एक युवक ने मदद के बहाने उनका ट्रॉली बैग बस की पिछली सीट पर रखवा दिया, जबकि उमा देवी अपने बेटे प्रांशु के साथ आगे की सीट पर बैठ गईं। शातिर आरोपी कादरीगेट चौराहे पर बस से उतर गया। सवायजपुर पहुंचने पर उमा देवी ने देखा कि उनके ट्रॉली बैग का ताला टूटा हुआ था। बैग से सोने के दो पेंडल, एक जोड़ी कुंडल, एक फूल और 25 हजार रुपये नकद गायब थे। चोरी गए सामान की कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। बस अड्डे पर दोबारा दिखा आरोपी और पकड़ा गया- घटना के अगले दिन, मंगलवार को उमा देवी अपने परिजनों के साथ वापस रोडवेज बस स्टैंड पहुंचीं। वहां उन्होंने उसी युवक को अन्य महिलाओं की मदद करने का नाटक करते देखा। चकमा देने के लिए आरोपी ने पहले सफेद टी-शर्ट और बाद में काली शर्ट पहन रखी थी। महिला और उनके बेटे प्रांशु ने उसे तुरंत पहचान लिया और पीछा कर पकड़ लिया। पुलिस को सौंपा, साथी का भी नाम बताया- परिजनों ने पकड़े गए युवक को चौकी पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी कायमगंज के ब्रह्मपुरी का निवासी बताया गया है। पूछताछ में उसने घटना में शामिल अपने एक साथी का नाम भी पुलिस को बताया है। थाना प्रभारी कपिल कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी को पकड़ लिया गया है, चोरी का माल बरामद कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

So many trains will be cancelled on UP routes in July; check the list here before leaving home.

Have you booked a train ticket for a trip? Know that the Railways has cancelled several trains on Uttar Pradesh routes. However, the routes of many trains have been changed. While some prefer to travel by bus, others by car, it's undeniable that a large segment of Indians still travel by train. From general to AC classes, trains are full every day. However, passengers face some difficulties when the train they are supposed to travel on is suddenly cancelled. Therefore, Amar Ujala periodically updates you on trains that are cancelled or whose routes are changed. For example, the Railways has to complete the pre-interlocking and non-interlocking process to commission the 5-kilometer-long third railway line between Gonda and Gonda Kachari. Therefore, many trains will be cancelled on the UP route in the month of July and the routes of many trains have also been changed. Which trains have been cancelled on the UP route in July? Train No. 15134 Anand Vihar-Chhapra Express will be cancelled on July 08 Train No. 22922 Balrampur-Bandra Express will not run on July 07 Train No. 15081 Gorakhpur-Gomtinagar Express will be cancelled between July 06 to 10 Train No. 15082 Gomtinagar-Gorakhpur Express will not run from July 07 to 11 Train No. 15133 Chhapra-Anand Vihar Express is cancelled on July 06 Train No. 22921 Bandra-Balrampur Express will be cancelled on July 05 Train No. 15031 Gorakhpur-Lucknow Junction Express will be cancelled on July 08 and 09 Train No. 15032 Lucknow Junction-Gorakhpur Express will not run on July 08 and 09 Train No. 15070 Aishbagh-Gorakhpur Express will be cancelled from July 7 to 10 Train No. 15069 Gorakhpur-Aishbagh Express will not run from 8th to 11th July Train number 22199 Gwalior-Balrampur Sushasan Express will be cancelled on 08th July Train number 22200 Balrampur-Gwalior Express will be cancelled till 09th July Train number 15029 Gorakhpur-Pune Express will not run on 09th July Which trains have changed their routes? Train No. 15078 Gomtinagar-Kamakhya Express Route of this train has been changed on 29th June Train No. 15904 Chandigarh-Dibrugarh Express Route has been changed on 28th June and 8th July Train No. 12512 Thiruvananthapuram-Gorakhpur Express Route of this train has been changed from 28th June to 7th July Train No. 15046 Okha-Gorakhpur Express Route has been changed on 28th June and 5th July Train No. 12592 Yesvantpur-Gorakhpur Express Route has been changed on 29th June and 6th July Train No. 15134 Anand Vihar-Chhapra Express Route has been changed on 1st and 4th July Train No. 19409 Sabarmati-Thawra Express Route has been changed on 2nd July Train No. 22534 Yesvantpur-Gorakhpur Superfast Route has been changed on 1st July Train No. 19623 Madar Junction-Darbhanga Amrut Bharat The route of this train has been changed on 03 July Train No. 12522 Ernakulam-Barauni Express The route will be changed on 03 July Train No. 15065 Gorakhpur-Panvel Express The route has been changed from 06 to 10 July Train No. 15067 Gorakhpur-Bandra Express will run on a different route from its scheduled route on 08 July Train No. 12587 Gorakhpur-Jammu Tawi Amarnath Express The route of this train has been changed on 06 July Train No. 12565 Bihar Sampark Kranti Express The route of this train has been changed on 09 July Train No. 15651 Guwahati-Jammu Tawi Express The route has been changed on 6 July Train No. 15066 Panvel-Gorakhpur Express The route has been changed for 08 July Train No. 15565 Vaishali Express The route of this train has been changed

Shilpa Shirodkar's death rumors alarmed her family; the actress revealed their reaction.

Shilpa Shirodkar recounted the incident when rumors of her death spread. Find out how her family reacted. Shilpa Shirodkar once faced a shocking rumor that she had died. Media reports claimed that Shilpa had been shot and killed, terrifying everyone who knew her. Her family and friends began calling her in panic to check on her well-being. Recently, the actress spoke about the incident, describing how difficult it was for her. Speaking to Pinkvilla, Shilpa Shirodkar recalled how panic gripped her family, unaware of what was happening. "I was in Kullu-Manali," she recalled. My father was trying to call the hotel because we didn't have mobile phones at the time. I was shooting there with Sunil Shetty. Everyone watching the shoot was wondering if it was Shilpa or someone else because they had heard the news. The situation became even more serious when she finished work for the day and returned to her hotel room to find several unanswered calls. "When I returned to my room, there were about 20-25 missed calls. My parents were distraught. A headline had appeared in the newspaper that Shilpa Shirodkar had been shot dead. Later, Shilpa learned the truth: it was a deliberate publicity stunt orchestrated by the film's producer to generate buzz about the film. When she finally found out, she was more shocked than angry. When they told me, I just said, 'Okay.' Yeah, it went a bit too far." There was no PR activity or anything like that back then. I had no idea. I was the last person to know something like this was going to happen. Back then, no one asked for permission. The film did well, so I wasn't too upset. Rumors of Shilpa's death were spread during the shooting of "Raghuveer" - The rumor of Shilpa's death was linked to her 1995 film "Raghuveer," an action film starring Sunil Shetty. People started spreading rumors that Shilpa had been shot and killed on the set of the film. Shilpa was considered one of the most popular actresses of the 1990s; she had established herself with several successful films.

"I was nervous but didn't copy it," Huma Qureshi reveals how Shah Rukh Khan and Aishwarya Rai Bachchan's song "Ishq K..." was recreated.

A new song from Huma Qureshi's upcoming film has been released. The actress is very happy about it and has spoken about its creation. Huma Qureshi is in the news for her upcoming film "Baby Do Die Do." Meanwhile, the makers have released the song "Ishq K..." from the film. This song originally appeared in the 2002 film "Shakti: The Power of Dreams" starring Shah Rukh Khan and Aishwarya Rai. It has been released with slight changes. What's in the video? Huma Qureshi shared a clip of the song on Instagram. It shows new visuals and stunning choreography. It features Huma Qureshi and Rachit Singh. Huma captioned the video, "As kids in Delhi, we grew up dancing to these 90s songs." I can't believe I got the chance to recreate it. We love you, Shah Rukh Khan and Aishwarya Ma'am." What did Huma Qureshi say about the song? Regarding recreating this famous song, Huma Qureshi said, "When this song came to us, we were very excited to recreate it. 'Ishq Ka...' is a great song; almost everyone has danced to it. It comes with a huge responsibility. I was really nervous. We weren't trying to copy the original. We wanted to bring our own style and celebrate the things that made it so famous. Having Remo sir choreograph it for us made it something else. I really hope people enjoy it as much as we enjoyed making it." When will the film release? "Baby Do Die Do" is directed by Nachiket Samanta. The film also stars Sikander Kher, Chunky Pandey, Rachit Singh, Marudha Shekhawat, Vidya Malavade, Arun Kushwaha, and Himanshu Malik. It is produced by Saqib Saleem under the Salim Siblings banner in association with Pune 04 Films. The film is scheduled to release in theaters on July 3, 2026.

"The film will show an untold story," said lawyer Ujjwal Nikam about Rajkummar Rao's performance in "Prahaar."

Rajkummar Rao is bringing the story of lawyer Ujjwal Nikam's struggle to the big screen. Nikam praised the actor and director. Actor Rajkumar Rao has gained attention for his upcoming film "Prahaar." Its teaser was recently released, and the teaser has received a positive response from audiences. "Prahaar" depicts the story of lawyer Ujjwal Nikam, who fought to ensure the hanging of Ajmal Kasab, the accused in the 26/11 attacks of 2008. Nikam has praised Rajkummar Rao. What did Ujjwal Nikam say about Rajkummar Rao? Rajkummar Rao plays lawyer Ujjwal Nikam in the upcoming film "Prahaar." Nikam said about Rajkummar Rao, "Rajkummar Rao has delivered a stellar performance, and Avinash Arun's direction is impressive." "Prahaar" not only depicts my journey as a public prosecutor, but also my life as a husband and father with real truth. The film reveals the unknown side - He further said, "People remember the verdicts. They rarely remember the nights before the verdict. 'Prahaar' shows that side, the part that never made headlines." Nikam said, "I have fought cases that were watched by the entire nation, and I have never talked about the loneliness of that responsibility. This film remains honest to real events. In doing so, it tells a story that I myself struggled to put into words." When will the film release? - "Prahaar" stars Rajkummar Rao, Vamika Gabbi, Sikander Kher, and Jaideep Ahlawat. It will release in theaters on August 7. The film is produced by Dinesh Vijan of Maddock Films.